



INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH

A knowledge Repository



वैश्वीकृत संगीत में इंटरनेट की भूमिका प्रतिमा सोनी शोधार्थी बनस्थली विध्वयापीठ ,राजस्थान

वैश्वीकरण का शाब्दिक अर्थ स्थानीय या क्षेत्रीय वस्तुओं या घटनाओं के विश्व पर रूपांतरण की प्रक्रिया है इसे एक ऐसी प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए भी प्रयुक्त किया जा सकता है, तब पुरे विश्व के लोग मिलकर एक समाज का निर्माण कर सकते हैं, तथा एक जुट होकर कार्य करते हैं

वैश्वीकरण का उपयोग अक्सर आर्थिक वैश्वीकरण के सन्दर्भ में किया जाता है किन्तु कला के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व दृश्य दृष्टिगोचर होता है, वैश्वीकरण का एक अर्थ वशुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा जिसने सम्पूर्ण वसुधा को एकिकार कर एक पारिवारिक सूत्र में बांध दिया है।

आज हमारी भारतीय सांगीतिक परंपरा में वैश्वीकरण का अत्यंत व्यापक प्रभाव दृष्टिगोचर होता है इस वैश्वीकरण ने कई नवीन सम्भावनाओं के द्वार खोले हैं तथा अनेक सुविधायें उपलब्ध करायी हैं जैसे आज कलाकारों को मंच मिलना आज पहले की अपेक्षा अधिक आसान हो गया है

इसके अतिरिक्त इंटरनेट की सुविधा से संगीत शिक्षा के क्षेत्र में भी अत्यंत अभूतपूर्व योगदान दिया है आज हमारे समक्ष इंटरनेट के माध्यम से सभी प्रकार की सूचनाएं उपलब्ध हैं, गुरु से प्रत्यक्ष शिक्षण प्रणाली के अभाव में दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के विकल्प प्राप्त हैं, दूरस्थ शिक्षण प्रणाली में आकाशवाणी और दूरदर्शन का प्रयोग तो बहुत दिनों जा रहा है परन्तु इंटरनेट से यह शिक्षा आज जीवंत रूप में संभव है अर्थात् शिक्षक भारत में बैठा सात समुन्दर पार किसी अन्य देश में कंप्यूटर के सामने बैठे विद्यार्थी को संगीत सीखा रहा है।

इस प्रकार दूरस्थ शिक्षा प्रणाली तथा इंटरनेट के माध्यम से जो भी चाहे भारतीय संगीत की शिक्षा प्राप्त कर सकता है और यही कारन है की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली आज सफलतापूर्वक है इंटरनेट ने आज नवीन कलाकारों को अपनी कला विस्तृत करने का एक अहम जरिया You Tube प्रदान किया है जिसमे कलाकार अपनी रिकॉर्डिंग को प्रस्तुत कर सम्माननीय स्थान प्राप्त कर सकता है तथा अपनी कला का प्रदर्शन है।

संक्षेप में यह कहा जा सकता है की वैश्वीकरण में इंटरनेट की एक अहम भूमिका है इसके अभाव में वैश्वीकरण की कल्पना भी कुछ अधूरी सी प्रतीत होती है।